केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

Central Sanskrit University

(संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित/Established by An Act of Parliament)

जयपुर परिसर, जयपुर (राज.)-302018

(Jaipur Campus, Jaipur (Raj.)-302018

क्रमांक.- के.सं.वि.ज./छात्र अनुभाग/प्रवेश/2026-27/1037 **दिनांक:- 07.07.2026**

अधिसूचना/Notification

शैक्षणिक सत्र 2026–27 में Non-CUET श्रेणी के माध्यम से **तृतीय चरण** के अंतर्गत **शास्त्री प्रतिष्ठा एवं आचार्य पाठ्यक्रमों** तथा **चतुर्थ चरण** के अंतर्गत **प्राक्शास्त्री पाठ्यक्रम** में प्रवेश के इच्छुक पंजीकृत समस्त अभ्यर्थियों को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि परिसर स्तर पर आयोजित की जाने वाली लिखित प्रवेश परीक्षा जयपुर परिसर में दिनांक 17 जुलाई 2026 (शुक्रवार) को प्रातः 10:00 बजे से 11:30 बजे तक आयोजित की जाएगी।

उक्त प्रवेश परीक्षा हेतु प्रवेश-पत्र (Admit Card) दिनांक 16 जुलाई 2026 को जारी किए जाएँगे। प्रवेश-पत्र अभ्यर्थियों द्वारा पंजीकरण के समय उपलब्ध कराए गए पंजीकृत ई-मेल पते पर प्रेषित किए जाएँगे। अतः सभी अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे समय-समय पर अपने ई-मेल (Spam/Junk Folder सहित) का अवलोकन करते रहें।

सभी अभ्यर्थियों को परीक्षा के दिन प्रवेश-पत्र (Admit Card) एवं एक वैध फोटो पहचान-पत्र के साथ निर्धारित समय से पूर्व परीक्षा केन्द्र पर उपस्थित होना अनिवार्य होगा।

यह अधिसूचना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति से जारी की जाती है।

07/07/26

(प्रो. विष्णुकान्त पाण्डेय)
(Prof. Vishnu Kant Pandey)
सह-निदेशक (शैक्ष.)
Assoc. Director (Acd.)

संलग्नक/ Encl.:

1. प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम।

प्रतिलिपि एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु/Copy for information and necessary action-

1. निदेशक कार्यालय, जयपुर परिसर।
2. सह-निदेशक (प्रशा.), जयपुर परिसर।
3. नोटिस बोर्ड/परिसर वेबसाईट।
4. प्रशासन विभाग।
5. संबंधित संचिका।

07/07/26

सह-निदेशक (शैक्ष.)
Assoc. Director (Acd.)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली

दि. - 08/04/2026

शैक्षणिक विभाग

प्राक्शास्त्री प्रवेश परीक्षा हेतु दिशा निर्देश एवं पाठ्यक्रम (सत्र 2026–27)

(1) प्रवेश संबंधी सामान्य निर्देश

- शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए प्राक्शास्त्री (प्राक्शास्त्री) कक्षा में प्रवेश हेतु। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के सभी परिसरों में केन्द्रीकृत प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी।
- विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालय/विद्यालय अपने स्तर पर आयोजित प्रवेश परीक्षा अथवा पूर्वमध्यमा / कक्षा 10 के अंकों के आधार पर वरियता सूची द्वारा छात्रों का प्रवेश सुनिश्चित कर सकेंगे।
- विश्वविद्यालय के सभी परिसरों में केन्द्रीकृत प्रवेश परीक्षा प्राक्शास्त्री की प्रवेश अधिसूचना में उल्लिखित तिथि के अनुसार 11:00 AM से 12:00 PM तक आयोजित होगी।
- परीक्षा में 50 बहुविकल्पात्मक प्रश्न होंगे। प्रति प्रश्न 02 अंक निर्धारित हैं, परीक्षा कुल 100 अंकों की होगी।

(2) प्राक्शास्त्री प्रवेश परीक्षा का पाठ्यक्रम

क्र.सं.	विषय-वस्तु	प्रश्न संख्या	अंक
1	संस्कृत व्याकरण का सामान्य परिचय (संज्ञा, विशेषण-विशेष्य, कारक, समास)	4	8
2	शब्दरूप – राम, हरि, लता, फलम् तथा इनके सदृश रूप	4	8
3	धातुरूप – पठ्, गम्, कृ, लिख्, वद् (लट्, लृट्, लोट्, लङ् लकार)	4	8
4	संधि – यण्, गुण, वृद्धि, दीर्घ संधि का सामान्य ज्ञान	4	8
5	रामायण, महाभारत, गीता, पुराण, भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय	4	8
6	संस्कृत के प्रमुख ग्रंथ एवं उनके लेखक	4	8
7	भारतीय संस्कृति – ऋण, आश्रम, पुरुषार्थ, धर्मलक्षण एवं संस्कार का सामान्य परिचय।	4	8
8	भारतीय संविधान – मूल अधिकार एवं मूल कर्तव्य	4	8
9	समसामयिक घटनाएं (राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय, खेल, पुरस्कार, ध्येयवाक्य आदि)	4	8
10	सामान्य विज्ञान एवं पर्यावरण	4	8
11	तर्कशक्ति एवं सामान्य गणित	4	8
12	सामान्य हिन्दी	3	6
13	General English	3	6
कुल		50	100

टिप्पणी- परीक्षा वस्तुनिष्ठ (Objective Type) होगी। प्रश्नों का स्तर माध्यमिक (कक्षा 10) के समकक्ष होगा। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे।

नारायण 10/4/26

(प्रो. नारायण सिम्हा आर. एल.)

सह-अधिष्ठाता (शैक्षणिक)

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

जयपुर परिसर, जयपुर

शास्त्री प्रतिष्ठा प्रवेश परीक्षा का पाठ्यक्रम

1. शब्दरूपाणि-वाच्य एवं विभक्तिप्रयोग

(क) अजन्त शब्द- बालक, फल, रमा, कवि, मति, वारि, नदी, शिशु, धेनु, मधु, पितृ, मातृ, कर्तृ, रवि, दातृ, नृ, सख्यु, अस्थि, गो, वधू।

(ख) हलन्त शब्द- राजन्, भगवत्, आत्मन्, विद्वस्, वाच्, पथिन्, मरुत्, नाशस्, दिश्, धनिन्, पयस्, अधस्, नन्दन्, द्युस्।

(ग) सर्वनाम- सर्व, तत्, यत्, किम्, इदम् (त्रिषु लिङ्गेषु), अस्मद्, युष्मद्।

2. धातुरूपाणि

(क) परस्मैपदी धातुएँ- गम्, नम्, अस्, हस्, श्रु, नश्, आप्, शक्, इष्, प्रच्छ्, कृ, ज्ञा, सह्, चिन्त्, नृत्, कथ्, नी, पच्।
(लट्, लृट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ् लकारेषु प्रयोगाः)

(ख) आत्मनेपदी धातुएँ- लभ्, सेव्, वन्द्, याच्।
(लट्, लृट्, लङ् लकारेषु)

3. सन्धयः एवं सन्धिविच्छेद

1. स्वर सन्धि
2. व्यञ्जन सन्धि
3. विसर्ग सन्धि

4. समासः एवं विग्रहः

(क) अव्ययीभाव- यथा, प्रति, उप, अनु, निर्, सह, अधि।

(ख) द्वन्द्व- इतरेतरद्वन्द्व, समाहार, एकशेष।

(ग) तत्पुरुष- विभक्तितत्पुरुष, कर्मधारय, द्विगु, उपपदतत्पुरुष।

(घ) बहुव्रीहि

5. प्रत्ययः

(क) कृत्-प्रत्यय- क्त, क्तवतुँ, तव्यत्, अनीय, शतृ, शानच्, क्त्विन्, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्, तृच्।

(ख) तद्धित-प्रत्यय- मतुप्, इन्, ठक्, ठञ्, त्व, तल्।

(ग) स्त्री-प्रत्यय- टाप्, ङीप्।

6. उपपदविभक्तिप्रकरणम्

7. भाषिककार्य

1. विशेषण-विशेष्य पदचयनम्
2. कर्तृक्रिया पदचयनम्
3. पर्याय / विलोम पदचयनम्

8. छन्द एवं श्लोक- अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, वंशस्थ, वसन्ततिलका, मालिनी, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडितम्, मन्दाक्रान्ता।

9. शब्दालंकार एवं अर्थालंकार

(क) शब्दालंकार- अनुप्रास, यमक, श्लेष।

(ख) अर्थालंकार- उपमा, रूपकम्, उत्प्रेक्षा, अर्थान्तरन्यास।

10. संस्कृत साहित्य सामान्य परिचय

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. रचनानुवाद कौमुदी — डॉ. कपिल देव द्विवेदी
2. लघुसिद्धान्त कौमुदी — प्रकाशन: गीता प्रेस, गोरखपुर
3. छन्दोमञ्जरी — गंगादास
4. चन्द्रालोक — जयदेव
5. संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास — डॉ. उमाशंकर शर्मा 'ऋषि'

16/5/26

आचार्य प्रवेश परीक्षा का पाठ्यक्रम

दर्शन विषय

1. **सर्वदर्शनम्-** प्रमाणविचारः, प्रमेयविचारः, आत्मविचारः, कर्मविचारः, आस्तिकनास्तिकदर्शनानां सामान्यपरिचयः।
2. **सांख्ययोगः-** दुःखत्रयम्, सत्कार्यवादः, सर्गः, पुरुषः, अष्टाङ्गयोगः।
3. **न्यायः-** कारणं तद्प्रभेदाः, प्रत्यक्षसामग्रीविमर्शः, शक्तिग्रहोपायाः, द्वितीयलक्षणं चतुर्थलक्षणञ्च, अवतरणग्रन्थः, संशयपक्षता।
4. **वैशेषिकम्-** द्रव्यविचारः, प्रमाणविचारः, कर्मविचारः, धर्मविचारः।
5. **अद्वैतवेदान्तः-** मोक्षः, प्रमाणानि, साक्षी, सत्तात्रैविध्यम्, माया, अध्यासः।

संदर्भ ग्रन्थाः

1. भारतीय दर्शनम्
2. सांख्यकारिका
3. गौड़पदभाष्य
4. तर्कसंग्रहः
5. तर्कभाषा
6. वेदान्तसारः

व्याकरण विषय

1. परिभाषाएँ
2. कारक-विचार
3. सन्धि-विचार
4. षड्लिंग-विचार
5. महाभाष्यम्
6. स्वर एवं वैदिकी
7. धात्वर्थ, लकारार्थ, नामार्थ एवं सुबर्थ
8. समाशक्ति, शक्ति, निपातार्थ, नञर्थ तथा स्फोट

संदर्भ ग्रन्थाः

1. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी
2. वैयाकरणभूषणसारः
3. महाभाष्यम् (पश्पशाह्निकम्)

वेद विषय

1. ऋग्वेदस्य सामान्य परिचयः
2. शुक्लयजुर्वेदस्य सामान्य परिचयः
3. कृष्णयजुर्वेदस्य सामान्य परिचयः
4. सामवेदस्य सामान्य परिचयः
5. अथर्ववेदस्य सामान्य परिचयः
6. ब्राह्मण परिचयः
7. आरण्यक परिचयः
8. उपनिषद परिचयः
9. श्रौतयागानां सामान्य परिचयः
10. शिक्षाग्रन्थानां सामान्य परिचयः
11. नवग्रहाणां परिचयः
12. षोडशोपचार पूजन पद्धति परिचयः
13. षोडशसंस्काराणां परिचयः
14. पञ्चमहायज्ञानां सामान्य परिचय

संदर्भ ग्रन्थाः

1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति — कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. वैदिक साहित्य का इतिहास — बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा वाराणसी
3. वैदिकवाङ्मयेतिहासः — जगदीशचन्द्र मिश्र, चौखम्बा वाराणसी
4. वेदवृतम् — डॉ. सुधाकर कुमार पाण्डेय, दिवाकर प्रकाशन, गोपालगंज

16/5/26

साहित्य विषय

1. शब्दशक्तिविचार, अभिधा, लक्षणा, व्यञ्जना, तात्पर्यादि।
2. रस, रसभेद एवं रसास्वाद विमर्श।
3. अलङ्कारलक्षण, उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, अतिशयोक्ति, दृष्टान्त, निदर्शना, अर्थान्तरन्यास, असङ्गति विभावना।
4. दोषसामान्य लक्षण एवं भेद, गुणसामान्य लक्षण एवं भेद।
5. रूपक एवं उसके दशभेद, नायकभेद एवं उनके गुण, नायिकाभेद, नान्दी, पताकास्थानक, सन्धि, अर्थप्रकृति।
6. लघुत्रयी काव्य एवं उसके महाकवि, बृहत्त्रयी काव्य एवं उसके महाकवि।
7. नाट्य एवं नाटककार — शाकुन्तलम्, उत्तररामचरितम्, वेणीसंहारम्, मृच्छकटिकम्, रत्नावली।
8. गद्यकाव्य एवं गद्यकार — बाणभट्ट, अम्बिकादत्तव्यास, कथाकाव्य, मुक्तककाव्य, चम्पूकाव्य।
9. छन्दः — सामान्य परिचय एवं भेद, वसन्ततिलका, द्रुतविलम्बित, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडितम्, उपजाति, वंशस्थ।
10. उपजीव्यकाव्य, स्तोत्रकाव्य, नीतिकाव्य, गीतिकाव्य।

संदर्भ ग्रन्थाः

1. साहित्यदर्पणः (आचार्य शेषराज रेम्मी)
2. चंद्रालोक
3. छन्दोमञ्जरी
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास — कपिल देव द्विवेदी
5. संस्कृत साहित्य का इतिहास — उमाशंकर ऋषि
6. संस्कृत साहित्य का इतिहास — बलदेव उपाध्याय
7. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास — डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी

सिद्धान्त ज्योतिष

1. सिद्धान्तज्योतिषम्—
   a) नवविधकालमानम्
   b) ग्रहभगणमानम्
   c) मध्यमग्रहानयनम्
   d) ज्यासाधनम्
   e) भूमध्यपरिधि-देशान्तरसंस्कारः
   f) ग्रहस्पष्टीकरणम्
   g) पञ्चांगपरिचयः
   h) दिग्ज्ञानम्
   i) लग्नसाधनम्
   j) ग्रहणविचारः
   k) गोलपरिभाषा

संदर्भ ग्रन्थाः

1. सूर्यसिद्धान्तः
2. ग्रहलाघवम्
3. गोलपरिभाषा

फलित ज्योतिष

1. फलितज्योतिषम्— राशिपरिचयः, ग्रहपरिचयः, द्वादशभावविमर्शः, दशाविमर्शः, मुहूर्तविचारः, षड्वर्गविचारः, ग्रहाणां दृष्टिविचारः, पञ्चधामैत्रीविचारः।

संदर्भ ग्रन्थाः

1. लघुपाराशरी
2. लघुजातकम्
3. जातकालङ्कारः
4. जातकपारिजातः
5. मुहूर्तचिन्तामणिः
6. बृहज्जातकम्

16/5/26

धर्मशास्त्र विषय

1. मनुस्मृति- मनुस्मृतेः सामान्यपरिचयः, भाष्यकाराणां परिचयः
2. याज्ञवल्क्यस्मृति
   i) आचाराध्यायः- विवाहप्रकरणम्, राजधर्मः, श्राद्धप्रकरणम्, ब्रह्मचर्याश्रमप्रकरणम्
   ii) व्यवहाराध्यायः- साधारणव्यवहारमातृका, व्यवहारेप्रमाणानि, दायभागस्यसामान्यपरिचयः
   iii) प्रायश्चित्ताध्यायः- आशौचप्रकरणम्, यतिप्रकरणम्, वानप्रस्थप्रकरणम्
3. निर्णयसिन्धु- प्रथम परिच्छेदः

संदर्भ ग्रन्थाः

1. मनुस्मृति
2. याज्ञवल्क्यस्मृतिः
3. निर्णयसिन्धुः

प्राकृत विषय

UNIT 1 प्राकृत भाषा की उत्पत्ति एवं विकास — प्राकृत शब्द का अर्थ, प्राकृत की प्राचीनता, वैदिक या छान्दस में प्राकृत भाषा के तत्त्व, प्राकृत भाषा का विकास, प्राकृत की प्रमुख विशेषताएँ।

UNIT 2 प्राकृत के भेद-प्रभेद एवं आगम साहित्य परम्परा का परिचय — प्राकृत के भेद-प्रभेद, मूल दो भेद - कथ्य एवं साहित्य, प्रथम युगीन प्राकृत, मध्ययुगीन प्राकृत, अर्वाचीन प्राकृत । प्राकृत आगम साहित्य परम्परा का परिचयात्मक अवलोकन — अर्धमागधी आगम साहित्य परिचय, शौरसेनी आगम साहित्य परिचय।

UNIT 3 प्राकृत व्याकरण परम्परा और विकास — प्राकृत व्याकरण परम्परा का परिचय, प्रमुख प्राकृत व्याकरण एवं उनके रचयिता — चण्डकृत प्राकृत लक्षण, वररुचिविरचित प्राकृत प्रकाश, हेमचन्द्राचार्यकृत सिद्धहेमशब्दानुशासन, मार्कण्डेयकृत प्राकृत सर्वस्व।

UNIT 4 प्राकृत भाषा की प्राचीनता और शिलालेखीय साहित्य का परिचय — सम्राट अशोक के 14 शिलालेखों का सामान्य परिचय (गिरनार शिलालेख), सम्राट खारवेल के हाथीगुम्फा शिलालेख का परिचय एवं अध्ययन।

UNIT 5 प्राकृत काव्य साहित्य की विविध विधाओं का परिचय। **महाकाव्य** - महाकवि प्रवरसेनकृत सेतुबन्ध, महाकवि वाक्पतिराजकृत गउडवहो, हेमचन्द्राचार्यकृत कुमारपालचरियं (द्व्याश्रयकाव्य)। **खण्डकाव्य** - रामपाणिवाद विरचित कंसवहो एवं उसाणिरुद्ध। **चरितकाव्य** - विमलसूरिकृत उपमचरियं, धनपालसूरिकृत सुभद्राचरियं, लक्ष्मणगणिविरचित सुमाइसुन्दरीचरियं। **चम्पूकाव्य** - उद्योतनसूरिकृत कुवलयमालाकहा। **कथाकाव्य** - पद्मलक्ष्मीसूरिकृत तरंगवती, संघदासगणिविरचित वसुदेवहिण्डी, हरिभद्रसूरिकृत समराइच्चकहा एवं धूर्ताख्यान। **मुक्तककाव्य** - महाकवि हालविरचित गाथासप्तशती, मुनिजयवल्लभसंकलित वज्जालग्गं, जिनेन्द्रसूरिसंकलित गाहारयणकोस। **सट्टक** - राजशेखर विरचित कर्पूरमंजरी, कवि रुद्रटकृत चन्दलेहा

संदर्भ ग्रन्थाः

1. प्राकृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास- लेखक डॉक्टर नेमीचंद शास्त्री

जैन-दर्शन विषय

UNIT 1- जैन तत्त्वज्ञानम्- जीव, अजीव, आस्रव, बन्ध, संवर, निर्जरा, मोक्ष, पुण्य एवं पाप- सप्त/नव तत्त्वों का विस्तृत अध्ययन। द्रव्यविचार एवं जैन तत्त्वमीमांसा।

UNIT 2- जैन न्याय एवं ज्ञानमीमांसा- प्रमाण एवं नय। स्याद्वाद, अनेकान्तवाद, सप्तभङ्गीनय, ज्ञान के प्रकार एवं तर्कपद्धति।

UNIT 3- जैन आचारशास्त्र- मुनि एवं श्रावकाचार। पञ्चमहाव्रत, अणुव्रत, आचारधर्म, तप एवं संयम।

UNIT 4 - जैन आगम एवं साहित्य- आगम साहित्य का सामान्य परिचय। आचार्य कुन्दकुन्द, उमास्वाति (तत्त्वार्थसूत्र), हरिभद्रसूरि आदि आचार्यों के ग्रन्थों का परिचय।

UNIT 5- जैन संस्कृति एवं इतिहास- दिगम्बर एवं श्वेताम्बर परम्परा। जैन धर्म का इतिहास, संस्कृति एवं सामाजिक योगदान।

संदर्भ ग्रन्थाः

1. तत्त्वार्थसूत्रम् — उमास्वाति
2. समयसारः — आचार्य कुन्दकुन्द
3. जैनदर्शन — महेन्द्र कुमार जैन
4. जैन न्याय — पण्डित सुखलाल संघवी
5. जैन आगम साहित्य का इतिहास

16/5/26